सोमवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
09 जून 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 127
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बालीवुड फिल्म डायरेक्टर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बालीवुड फिल्म डायरेक्टर को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। चेक बाउंस के मामले में फिल्म डायरेक्टर फरार चल रहा था। बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर को चेक बाउंस के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी ने एक साल की सजा सुनते हुए 51.10 लाख का जुर्माना लगाया था। जो जमानत याचिका खारिज होने के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था।

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि जिले में लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। इसके तहत पुलिस ने बालीवुड फिल्म डायरेक्टर कवल शर्मा को सिटी माल कंपाउंड रिंग रोड थाना अम्बोली अंधेरी मुंबई से गिरफ्तार किया है।

कंवल मूलरूप से मशवीना शर्मा कृष्णा 103 एवर साईन नगर रिंग रोड़ मलाड़ वेस्ट मुंबई महाराष्ट्र व बी-102 कृष्णा उत्सव नियर मूवी टाईम खण्डेलवाल ले आउट लिंक रोड़ मलाड़ पश्चिम मुंबई का रहने वाला है। हाल में 12 जुहू शिल्पा जुहू रेजिडेंसी के पीछे जे डब्लू मैरिएट होटल के सामने ख्वाजा अब्बास लाइन थाना शान्ताक्रुज मुंबई में रह रहा था। बताया जा रहा है कि फिल्म डायरेक्टर की मुलाकात 2013 में स्थानीय व्यापारी की सुपर माडल लड़की से हुई। उस समय कवल शर्मा की एक फिल्म दिल्ली आई रिलीज होने वाली थी। कवल शर्मा के पास उस समय पैसे कम थे। उसने व्यापारी की सुपर मॉडल लड़की से 35 लाख रुपये उधार लिए। साथ ही फिल्म रिलीज के दिन से 30 दिन के भीतर मुनाफे के साथ 50 लाख रुपये वापस करने की डील की। बकायदा 50 लाख के चेक भी दिया। बैंक खाते में पैसे न होने के कारण चेक बाउंस हो गए थे। व्यापारी की सुपर मॉडल लड़की ने 2015 में कवल शर्मा के खिलाफ कोर्ट में चेक बाउंस का मुकदमा दायर किया गया। 17 जनवरी 2019 को न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी से एक वर्ष का कारावास व 51.10 लाख जुर्माना की सजा सुनाई गयी थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

बोतल से बाहर आया जिन्न

सियासत भी क्या अजब-गजब चीज है भले ही कोई घटनाक्रम कितने भी समय पूर्व घटित हुआ हो लेकिन बोतल से बाहर आने वाले जिन्न की तरह कभी भी कोई भी घटनाक्रम सामने आकर खड़ा हो सकता है, इसका कुछ भरोसा नहीं होता। उत्तराखंड की सियासत में भूचाल ला देने वाली उसे दल-बदल की घटना को 9 साल का समय बीत चुका है जब कांग्रेस के 9 बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के नेतृत्व में कांग्रेस छोड़कर भाजपा के साथ चले गए थे और तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार संकट में फस गई थी। इस दल-बदल की घटना के कारण उत्तराखंड को पहली बार राष्ट्रपति शासन की त्रासद स्थिति को झेलना पड़ा था वहीं हरीश रावत के एक स्टिंग ऑपरेशन जिसमें वह सत्ता के लिए सौदेबाजी करते दिखे थे कांग्रेस की साख को ऐसी आंधी में फेंका कि उससे सूबे की कांग्रेस और हरीश रावत आज तक नहीं उबर सके हैं 9 साल बाद सीबीआई ने इस दल-बदल और स्टिंग को लेकर कांग्रेस के पूर्व नेताओं जिनमें से कुछ वर्तमान सरकार में भी मंत्री और विधायक है नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया गया है। यानी की 9 साल बाद एक बार फिर अगर इस घटना का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है तो यह बेवजह तो नहीं हो सकता है। इस समय इसे लेकर जिस तरह से सीबीआई एक्शन में दिखाई दे रही है उससे यह साफ प्रतीत होता है कि इसके जरिये फिर कुछ न कुछ बड़ी उठा पटक होगी। राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा भी आम है कि सीबीआई के इस एक्शन का उद्देश्य सूबे के कुछ बहुत पुराने नेताओं जिनमें हरीश रावत, सतपाल महाराज और हरक सिंह रावत से लेकर कुछ नए नेताओं के नाम भी शामिल है। जिन्हें राजनीतिक स्तर पर ठिकाने लगाने की रणनीति है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की इस घटना का कांग्रेस पर जो प्रभाव पड़ा था वह तो हम सभी के सामने हैं ही क्योंकि इसके बाद हुए तमाम चुनावों में उसे फजीहत ही झेलनी पड़ी है लेकिन व्यक्तिगत तौर पर नफा नुकसान की बात की जाए तो इसके प्रभाव से कोई भी नेता शेष नहीं बचा है जिसको इसका घटनाक्रम का कोई न कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष परिणाम भारी नुकसान के रूप में न उठाना पड़ा हो जो इस घटना के प्रमुख सूत्रधार माने जाते हैं। वह भले ही अपना दुख दर्द किसी के साथ शेयर करें न करें लेकिन उन्हें भी गुजरते समय के साथ इस बात का थोड़ा बहुत एहसास तो जरूर हुआ है ही है कि कहीं न कहीं गलती तो उनसे हुई है। पूर्व सीएम विजय बहुगुणा हो या हरीश रावत अथवा डा. हरक सिंह रावत जिनका हाल यह हो गया है कि न इधर के रहे न उधर के उनके अलावा भी तमाम लोग है जो अब कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं है। देखना यह है कि 9 साल बाद बोतल से बाहर आया यह जिन्न अब सूबे की राजनीति में क्या कुछ नए गुल खिलाता है अभी तो यह नेता सीबीआई के सामने जाने से बचते ही दिखाई दे रहे हैं लेकिन यह कब तक संभव होगा।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सेलाकुई निवासी एक व्यक्ति ने थाना सेलाकुई पर तहरीर देकर बताया गया कि सेलाकुई मे उसने अपनी गाय की देखभाल के लिए जितेन्द्र नाम के व्यक्ति को नौकरी पर रखा था जो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का निवासी है। जो उनके घर पर रहकर उनकी गाय की देखभाल करता था, उक्त व्यक्ति द्वारा उनके नाबालिग पुत्र को गौशाला मे ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा डरा धमकाकर जान से मारने की दी गई। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसे पुलिस ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

-नगर निगम भूमि घोटाला-

मास्टरमाइंड को क्यों नहीं लिया गया शिकंजे में: मोर्चा

हमारे संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व हुए हरिद्वार नगर निगम भूमि घोटाले में सरकार द्वारा विजिलेंस जांच की सिफारिश की गई है, जोकि सराहनीय कदम है, लेकिन उक्त पूरे घोटाले में मास्टरमाइंड जालसाज अधिकारी, जो सरकार में अच्छी दखल रखता है, के निर्देश पर उक्त अधिकारियों द्वारा ये जालसाजी की गई, को खुला छोड़ दिया गया, जो कि अपने आप में गंभीर प्रश्न पैदा करता है।

उन्होने कहा कि सवाल इस बात का है कि उक्त अधिकारियों द्वारा कैसे कूड़े के ढेर से लगती लगभग 30 बीघा भूमि लैंड यूज चेंज कर रातों-रात खरीद ली गई, जिससे सरकार को लगभग 40 करोड रुपए की चपत लगी। उक्त भ्रष्ट जालसाज अधिकारी के निर्देश पर ही इन अधिकारियों द्वारा पटकथा को अंजाम दिया गया था।

नेगी ने कहा कि उक्त मास्टरमाइंड अधिकारी के निर्देश पर ही इन पीसीएस/ आईएएस अधिकारियों द्वारा ये कदम उठाया गया, इसमें गलती अधिकारियों की ही है कि क्योकिं इन्होंने उक्त जालसाज की बात मानी ! नेगी ने कहा कि वैसे तो उक्त घोटाले की जांच आईएएस अधिकारी रणवीर सिंह चौहान द्वारा की जा चुकी है, जिसके परिणाम स्वरूप कुल मिलाकर 12 अधिकारियों को निलंबित/ सेवा विस्तार समाप्त किया जा चुका है। अब तक उक्त घोटाले में इन अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हो जानी चाहिए थी ,लेकिन नहीं हुई। नेगी ने कहा कि मोर्चा उक्त निलंबित अधिकारियों को आश्वस्त करता है कि अगर उक्त अधिकारी का नाम उजागर कर दें तो चाहे उक्त भ्रष्ट जालसाज अधिकारी के खिलाफ न्यायालय की शरण ही क्यों न लेनी पड़े, सबक सिखा कर ही दम लेंगे। आखिर उस जालसाज अधिकारी के गुनाहों का खामियाजा ये अधिकारी क्यों भुगतें! आलम यह है कि अधिकारी सिर्फ और सिर्फ अपना हित देख रहे हैं, उनको जनहित एवं जन भावनाओं से कोई लेना देना नहीं है द्य मोर्चा राजभवन से मांग करता है कि इस पूरे प्रकरण में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने एवं पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की दिशा में काम करे, जिससे उक्त महा भ्रष्ट मास्टरमाइंड को सलाखों के पीछे डाला जा सके।

पत्रकार वार्ता में विजयराम शर्मा व दिलबाग सिंह मौजूद थे।

कार्यक्षेत्र में महिला अपराधों से बचाव के लिए कार्यशाला आयोजित

हमारे संवाददाता

देहरादून। कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न और महिला अपराधों से बचाव की जागरूकता अभियान की अपनी मुहिम के अंतर्गत सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी ने पेशेवर पाठ्यक्रम के छात्रों और शिक्षकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में पॉश मास्टर ट्रेनर मनोवैज्ञानिक समाजसेवी डॉ. पवन शर्मा (द साइकेडेलिक) ने बड़े रोचक और प्रायोगिक तरीके से उदाहरणों के साथ प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के बारे में जानकारी दी और बचाव के कई अनूठे और अत्यंत प्रभावी तरीकों के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर छात्रों ने उत्साहित हो कर जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए कई सवाल पूछे, जिन्हें डॉ. पवन शर्मा ने संतुष्टियदायक जवाबों के साथ समझाया। डॉ. पवन शर्मा ने कहा कि प्रतिष्ठान इस कानून को गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं और कानून के प्रावधानों को लागू करने के लिए ढिलाई बरत रहे हैं जिससे महिला कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यक्षेत्र उपलब्ध होने में कठिनाई होती है। सर्वेक्षण के मुताबिक हर दो मे से एक महिला कर्मचारी किसी न किसी रूप में यौन उत्पीड़न का शिकार हो जाती है। इस कानून के प्रावधानों को सही कार्यक्षेत्र में लागू करने के लिए फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी निशुल्क परामर्श और मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराती है। इस मौके पर सुनिष्ठा सिंह, एडवोकेट कुलदीप भारद्वाज भी मौजूद थे।

शहरी वृक्षों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई का आग्रह

हमारे संवाददाता

देहरादून। सिटीजन्स फॉर ग्रीन दून को पेड़ों तथा शाखाओं के गिरने के कारण दो लोगों की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख है। हम इन रोके जा सकने वाली घटनाओं से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हर मानसून में, जबकि बारिश राहत लाती है, वे एक बार-बार होने वाली समस्या को भी उजागर करती है। कमजोर पेड़ों के कारण होने वाली टालने योग्य दुर्घटनाएँ, जिन्हें अक्सर खतरनाक के रूप में गलत लेबल किया जाता है।

डा. रवि चोपड़ा ने बताया कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के बावजूद, जिसमें उचित वायु संचार, पानी तथा पोषण सुनिश्चित करने के लिए पेड़ों की जड़ों के चारों ओर 1.5 मीटर कंक्रीट-मुक्त क्षेत्र अनिवार्य किया गया है, हमारे शहर में कई पेड़ कंक्रीट से दबे हुए हैं। इसके अलावा, लापरवाह शहरी विकास प्रथाएँ, जैसे कि जेसीबी का उपयोग करके सड़क चौड़ीकरण परियोजनाएँ, पेड़ों की जड़ों को और अधिक नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे वे तेज हवाओं या भारी बारिश के दौरान गिरने के लिए कमजोर हो जाते हैं। इन जीवनदायी पेड़ों को फिर खतरा बताकर उन्हें तुरंत गिरा दिया जाता है।

इस तर्क के अनुसार, क्या बाढ़ के दौरान लोगों की जान लेने वाली नदियों को खतरनाक माना जाना चाहिए और उन्हें रोक दिया जाना चाहिए? क्या सड़कों को बंद कर दिया जाना चाहिए, जहाँ दुर्घटनाओं के कारण हर साल अनगिनत लोगों की जान चली जाती है? पेड़, पानी और सड़कों की तरह, जीवन के लिए आवश्यक हैं, फिर भी कुप्रबंधन उन्हें खतरनाक बना देता है। वर्षों से, सीएफजीडी ने अधिकारियों से भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करने, पेड़ों के आधारों को कंक्रीट से मुक्त करने और पेड़ों की सुरक्षा के लिए शहरी विकास एजेंसियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया स्थापित करने का आग्रह

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

महिलाएं इंटरव्यू के लिए पहनें ये आउटफिट, लगेंगी बहुत ही आकर्षित

क्या आप जल्द ही किसी ऑफिस में इंटरव्यू देने जा रही हैं? अगर हां, तो आप इस कशमकश में जरूरी होंगी कि ऐसा कौन-सा आउटफिट पहना जाए, जो सोबर और फॉर्मल के साथ-साथ आपको स्टाइलिश लुक भी दे। रेगुलर ऑफिस में पहनने वाले कपड़ों के तो बहुत ट्रेंड हैं। ऐसे में आइए आज हम पांच ऐसे आउटफिट के विकल्प देते हैं, जिन्हें अगर महिलाएं अपने इंटरव्यू में पहनकर जाएंगी तो वे काफी आकर्षित लगेंगी।

एक प्लेन टी-शर्ट और फॉर्मल ट्राउजर के साथ नेवी ब्लू ब्लेजर

एक प्लेन टी शर्ट और ब्लेजर सबसे अच्छे फॉर्म आउटफिट कॉम्बिनेशन में से एक है, जिसे महिलाएं इंटरव्यू के लिए पहन सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद ही निखर कर आएगा। आप एक नेवी ब्लू ब्लेजर खरीद सकते हैं और इसे एक प्लेन सफेद रंग की टी शर्ट के साथ पहन सकती हैं। वहीं, इसे ब्लैक या ग्रे ट्राउजर के साथ या स्ट्रेट पेंसिल स्कर्ट के साथ टिमअप करके पहन सकती हैं।

क्लासिक फॉर्मल ब्लैक ड्रेस

बात चाहें किसी भी तरह के अवसर की हो, ब्लैक आउटफिट हर किसी के लिए सही है, खासकर जब एक इंटरव्यू के लिए जाने वाले हो। आप एक क्लासिक, घुटने की लंबाई वाली ब्लैक ड्रेस में निवेश कर सकती हैं क्योंकि यह सोबर के साथ-साथ स्टाइलिश देती है। आप अपने इस लुक को अधिक खूबसूरत बनाने के लिए इसे ब्लैक हील्स के साथ पूरा करें।

पेंसिल स्कर्ट के साथ प्लेन शर्ट

पेंसिल स्कर्ट की खासियत यह है कि यह किसी भी बॉडी शेप के साथ फिट बैठती है। इसके साथ ही किसी भी उम्र के लोग इसे पहन सकते हैं, बस जरूरत है सही स्टाइलिंग करने की। इंटरव्यू के दौरान आप पेंसिल स्कर्ट के साथ आप फुटवियर के तौर पर बूट्स और प्लेन शर्ट को टक इन करके पहन सकती हैं। आप चाहें तो पेंसिल स्कर्ट के साथ फ्लोरल टॉप को टिमअप करके भी स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

खाकी रंग के ब्लेजर के साथ मैचिंग स्कर्ट

खाकी रंग का ब्लेजर किसी भी तरह के इंटरव्यू के लिए बेहतरीन विकल्प है क्योंकि आप इसे किसी भी तरह से अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। आप इसे हल्के रंग की शर्ट के ऊपर पीटर पैन कॉलर, बटन डाउन स्टाइल या प्लेट टी शर्ट के ऊपर भी पहन सकती हैं। अपने इस लुक को पूरा करने के लिए मैचिंग खाकी स्कर्ट पहनें।

स्टेटमेंट ड्रेस के साथ करें एक्सपेरिमेंट

ब्लैक, ग्रे और व्हाइट जैसे रंग के आउटफिट इंटरव्यू के लिए बेहतरीन माने जाते हैं, लेकिन कई अन्य शेड्स भी हैं, जिनके साथ आप विभिन्न एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। म्यूट फिरोजा, ब्राउन या चैरी रेड सहित रंगों में एक स्टाइलिश फॉर्मल ड्रेट चुनें क्योंकि वे आपको एक फ्रेश लुक देने में मदद करेंगी। ध्यान रखें कि ड्रैस आपके घुटनों से थोड़ा नीचे हो और इसमें एक अच्छी हेमलाइन और नेकलाइन हो।

बहती नाक से परेशान हैं तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगी राहत

अकसर बदलते मौसम के कारण लोग कई तरह की समस्याओं से घिर जाते हैं, जिनमें से बहती नाक भी एक समस्या है। कहने को तो बदलते मौसम में यह समस्या होना सामान्य बात है, लेकिन इसके कारण काफी तकलीफ होती है क्योंकि इसके कारण सिर में दर्द और अच्छा महसूस न होना जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आइए आज कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में जानते हैं, जो आपको इस समस्या से राहत दिला सकते हैं।

नीलगिरी का तेल दिलाएगा आराम

नीलगिरी के तेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण के साथ कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो बहती नाक की समस्या से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में नीलगिरी के तेल की तीन से चार बूंदें, एक-दो कपूर (पिसा हुआ) और थोड़ा सा पुदीने का पाउडर मिलाएं, फिर इस मिश्रण को एक डिफ्यूजर में डालकर इसके खुशबू सूंघे। दिन में दो बार इस उपाय को दोहराएं।

गर्म पानी की भाप लेना भी है एक अच्छा विकल्प

बहती नाक से राहत पाने के लिए गर्म पानी की भाप लेना भी एक अच्छा घरेलू नुस्खा हो सकता है। इसके लिए पहले पानी को अच्छे से गर्म करके उसमें थोड़ी विक्स या फिर अजवाइन डाल दें, फिर इस मिश्रण वाले बर्तन की तरफ अपना चेहरा करके अपने सिर को एक कपड़े से ढकें, ताकि भाप आपकी नाक के अंदर तक जाए। ऐसा करने से आपको आराम मिलेगा और सिरदर्द, जी मचलना जैसी दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं।

गर्म खाद्य पदार्थों को डाइट में करें शामिल

बहती नाक से राहत पाने के लिए डाइट में गर्म खाद्य पदार्थों को शामिल करना भी एक अच्छा उपाय हो सकता है। दरअसल, जब आप गर्म चीजें खाते हैं तो इससे आपके गले और नाक को आराम पहुंचता है। इसके लिए ठंडे पानी की जगह पर गुनगुने पानी का सेवन कर सकते हैं, पतली दाल बनाकर गर्म-गर्म इसका सेवन कर सकते हैं या गर्मा-गर्म चाय का सेवन कर सकते हैं। ऐसा करने से बहती नाक की समस्या दूर हो जाएगी। (आरएनएस)

बिना मशीन के करें बालों को स्ट्रेट

आज के समय में बाल फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। विभिन्न हेयर स्टाइल की मदद से आप अपने लुक को आकर्षक दिखा सकती हैं। हांलाकि ज्यादातार महिलाएं अपने लुक के लिए बालों को स्ट्रेट रखना ही पसंद करती हैं। कुछ महिलाओं के बाल कुदरती स्ट्रेट होते हैं, लेकिन जिनके नहीं होते हैं वह पार्लर में हेयर स्ट्रेटनिंग पर हज़ारों रूपए खर्च कर देती हैं या फिर मशीन का इस्तेमाल करती हैं जो बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में जितना हो सकते कुदरती चीज़ों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से बिना मशीन के बालों को स्ट्रेट किया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में...

ऑयल मसाज ट्रीटमेंट

गुनगुने तेल से मालिश करके भी आप अपने कर्ली बालों को सीधा कर सकती हैं। दरअसल, गर्म तेल बालों के ऐंठन को कम करने में मदद करता है। मसाज के लिए आप नारियल तेल, ऑलिव ऑयल या बादाम तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले तेल को हल्का गर्म कर लें। फिर स्कैल्प और पूरे बालों पर तेल लगाकर हल्के हाथों से 15-20 मिनट तक मसाज करें। पूरे बालों में कंघी करें। जड़ से नीचे की ओर कंघी कर लेने से बाल सुलझ जाते हैं और शैंपू के दौरान बाल भी कम टूटते हैं। अब गुनगुने पानी में भिगोया हुआ तौलिया बालों पर बांध लें। तौलिए की भाप से तेल बालों की जड़ तक पहुंचेगा। आधे घंटे बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। धोने के बाद जब बाल थोड़े गीले हो तभी मोटे दांत वाली कंघी से उसे धीरे-धीरे सुलझा लें।

मिल्क स्प्रे

आप साधारण गाय के दूध या भैंस के दूध से भी बालों को स्ट्रेट कर सकती हैं। आप चाहें तो कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। कोकोनट मिल्क एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल होता है। यह त्वचा के लिए तो अच्छा होता ही है साथ ही बालों के लिए भी बहुत अच्छा होता है। मगर, आपको कोकोनट ऑयल न मिले तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं आप साधार दूध से भी बालों को स्प्रे करते हुए उसे स्ट्रेट कर सकती हैं। आप अगर ऐसा रोज करेंगी तो कुछ ही दिनों में आपके बाल स्ट्रेट हो जाएंगे।

कोकोनट मिल्क और कॉर्न स्टार्च जेल

इसे बनाने के लिए एक बाउल में 3 चम्मच कॉर्न स्टार्च लें और इसमें 1 कप कोकोनट मिल्क, 4 चम्मच नींबू का रस और 2 चम्मच ऑलिव ऑयल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इस चम्मच से तब तक मिलाएं जब तक कि स्मूद पेस्ट न बन जाएं। आपके जेल तैयार है। इसे आजमाने के लिए बालों को धोकर सुखा लें। फिर यह जेल स्कैल्प और पूरे बालों की लंबाई पर लगाएं। इसके बाद बालों को शावर कैप से कवर से ढंक लें और गर्म पानी से भीगे तौलिए को इसके ऊपर लपेटकर एक से डेढ़ घंटे तक रखें। इसके बाद बालों को पहले पानी से धोएं फिर माइल्ड शैंपू और कंडिशनर लगाएं। एक बार इस्तेमाल के बाद ही आपको अपने बालों में फर्क नज़र आ जाएगा।

एलोवेरा का करें इस्तेमाल

एलोवेरा आपको बहुत ही आसानी से बाजारों में मिल जाएगा। आपको इसका जैल बालों में लगाना है। आपको बता दें कि एलोवेरा में बहुत सारे एंजाइम होते हैं इनकी मदद से बालों की ग्रोथ अच्छी हो जाती है। इतना ही नहीं बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए भी एलोवेरा जैल बहुत अच्छा विकल्प है। अगर आपको अपने बालों को नैचुरली स्ट्रेट करना है तो आपको अपने बालों में एलोवेरा जैल के साथ ऑलिव ऑयल और चंदन के तेल की कुछ बूंदें मिलानी होंगी। इस मिश्रण को आप बालों पर लगाएं और 2 घंटे बाद बालों को शैंपू कर लें। ऐसा अगर आप हफ्ते में 2 बार करेंगी तो कुछ दिनों में आपके बाल स्ट्रेट हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल

चेहरे को निखारने वाली मुल्तानी मिट्टी बालों को सीधा करने में भी बहुत मददगार है। यह नेचुरल स्ट्रेटनर का काम करता है। साथ ही यह कुदरती क्लींजिंग एजेंट भी है। इस्तेमाल के लिए मुल्तानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, एक चम्मच चावल का आटा और पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। इस मिश्रण को बालों में ऊपर से नीचे की ओर लगाएं। और फिर मोटे दांत वाली कंघी से बालों को सुलझा लें। एक घंटे बाद बालों पर दूध का स्प्रे कर लें। फिर 15 मिनट बाद शैंपू से बाल धो लें।

दूध और शहद

इसके लिए आपको द कप दूध और 2 बड़े चम्मच शहद की जरूरत होगी। दूध और शहद को तब तक मिलाएं जब तक ये अच्छी तरह से मिक्स न हो जाएं। इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाएं। लगभग 2 घंटे के लिए मिश्रण को लगा रहने दें। इसके बाद अपने बालों को ठंडे पानी और माइल्ड सल्फेट-फ्री शैम्पू से धोएं। आजमाते ही आपको फर्क दिखने लगेगा। (आरएनएस)

प्यार की जंग लड़ेंगे सिद्धांत चतुर्वेदी-तृप्ति डिमरी

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म धड़क 2 के लिए पहली बार एक साथ काम किया है। धड़क 2 को सीबीएफसी से 16 कट के बाद यूए सर्टिफिकेट मिला है।

पहले यह फिल्म नवंबर 2024 में रिलीज होने वाली थी लेकिन फिर इसे 2025 के लिए रीशेड्यूल कर दिया गया। तब से लोग इसकी रिलीज डेट के अनाउंसमेंट का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है।

करण जौहर ने सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी स्टारर धड़क का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है जिसमें दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया हुआ है। पोस्टर पर लिखा था-लड़ने और मरने में से एक को चुनना हो तो लड़ने को चुनना। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा, जो प्यार की लड़ाई की ओर इशारा करता है जिसे 1 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। यानि फिल्म इस साल 1 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। टीजर जुनून और कांटों से भरे एक रोमांटिक ड्रामा के लिए टोन सेट करता है। धड़क 2 के पहले लुक में सिद्धांत की आंखों में आग दिख रही थी, जो अपने जीवन के प्यार को गले लगा रहा था जैसे कि उसे बाकी दुनिया से बचा रहा हो। वहीं दूसरे लुक में तृप्ति का क्लोज-अप था, जो उस इंसान को गले लगा रही थी जिसे वह प्यार करती है।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा आधिकारिक तौर पर धड़क 2 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की मंजूरी दिए जाने के ठीक बाद पोस्टर रिलीज किए गए। जाति और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दों से निपटने वाली इस फिल्म की रिलीज को नवंबर 2024 की तारीख से टालकर मार्च 2025 कर दिया गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, धड़क 2 को अब सीबीएफसी से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। हालांकि, यह मंजूरी इस शर्त के साथ मिली है कि इसमें 16 कट लगाए जाएंगे। जिसमें एक डायलॉग भी है जिसे फिर से लिखने का आदेश दिया गया है।

3,000 साल का बैकलॉग सिर्फ 70 साल में पूरा नहीं होगा वाली लाइन की ओर ध्यान दिलाया गया और बाद में इसे संशोधित करके सदियों पुराने भेदभाव का बैकलॉग सिर्फ 70 साल में पूरा नहीं होगा कर दिया गया, ताकि बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम द्वारा दिए गए बयानों के कथित संकेतों से बचा जा सके। इसके अलावा सीबीएफसी ने कुछ शब्दों को म्यूट करने का निर्देश दिया। धर्म का काम है लाइन को संशोधित करके पुण्य का काम है कर दिया गया, जिससे धार्मिक कर्तव्य से पुण्य कार्य पर जोर दिया गया।

शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित, धड़क 2 2018 की रोमांटिक-ड्रामा धड़क का एक स्टैंडअलोन सीक्वल है, जिससे जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर ने बॉलीवुड डेब्यू किया था।

सहमति से बने संबंधों में खटास!

सहमति से बने रिश्तों में खटास आना या प्रेमी जोड़े के बीच दूरियां बन जाना आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक शख्स के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते यह टिप्पणी की, जिस पर आरोप था कि शादी का झूठा वादा कर उसने महिला से बलात्कार किया। अदालत ने कहा, रिकॉर्ड से ऐसा नहीं लगता कि शिकायतकर्ता की सहमति, उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करने के वादे पर की गयी थी। पीठ ने कहा यह ऐसा मामला नहीं है, जिसमें शुरुआत में शादी करने का वादा किया गया हो।

सहमति से बने संबंधों में खटास आना या पार्टनर के बीच दूरी आना, आपराधिक प्रक्रिया शुरू करने का आधार नहीं हो सकता। मामले के अनुसार जून 2022 से जुलाई 2023 के दौरान आरोपी ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने इनसे इनकार किया और निचली अदालत में जमानत के लिए अपील की। हालांकि भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत अपराध है, जिसके लिए दस साल तक की सजा व जुर्माना हो सकता है।

मगर इस तरह के मामलों में अदालत साक्ष्यों व भावनाओं की अनदेखी नहीं करती। भले ही यह सरासर धोखा है मगर सच तो यह भी है कि वयस्क महिलाओं द्वारा विवाहपूर्व शारीरिक संबंध बनाने की सहमति प्रेम व समर्पण के रूप में दी जाती है। वास्तव में विवाहोपरांत भी रिश्तों में खटास आती है, मगर ऐसे में विवाह विच्छेदन जैसी सुविधाएं हैं, परंतु बगैर वैवाहिक रस्मों, परिवार या परिचितों के संज्ञान में लाये बगैर, गुपचुप बनाए गए इस संबंध में धोखे की गुंजाइश तलाशना बेहद मुश्किल होता है।

यह भी कहना अतिश्योक्ति होगी कि धोखे से या फुसलाकर महिलाओं को दैहिक संबंधों के लिए राजी करने वाले पुरुषों की मंशा में शुरू से ही खोट नहीं होता। झूठे वादों, दिखावे या सच्चे प्रेम को परखने की कोई कसौटी नहीं होती। न ही सहमति से सेक्स करने के नतीजतन विवाह अनिवार्य हो सकता है। विवाह पवित्र बंधन ही नहीं है, सामाजिक व पारिवारिक व्यवस्था में अभी भी विवाहित जोड़ों को इज्जत से देखा जाता है।

दूसरे; तमाम खुलेपन के बावजूद स्त्री शुचिता को लेकर चले आ रहे पूर्वाग्रह कमजोर पड़ते नहीं नजर आ रहे। जिनका समूचा खामियाजा अंततः स्त्री को ही भुगतना पड़ता है। नैतिकता ही नहीं, कानूनी पाबंदियों का भी ख्याल करते हुए पुरुषों को अपनी उतावली व भावनाओं पर काबू करना सीखना चाहिए।(आरएनएस)

राणा दग्गुबाती की राणा नायडू की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

वेंकटेश दग्गुबाती और राणा दग्गुबाती की वेब सीरीज राणा नायडू को काफी पसंद किया गया था। एक्शन से भरपूर यह सीरीज 10 मार्च, 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और इसमें कुल 10 एपिसोड थे।

राणा नायडू के दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है और इसका टीजर भी रिलीज हो गया है।

अब निर्माताओं ने राणा नायडू 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।

आइए जानें आप यह सीरीज कब और कहां देख पाएंगे।

राणा नायडू 2 का प्रीमियर 13 जून, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा। सीरीज का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, जब बात परिवार की हो, राणा हर लाइन क्रॉस करेगा।

इस सीरीज में सुचित्रा पिल्लई, रजनी बसुमतारी, गौरव चोपड़ा, अर्जुन रामपाल और सुरवीन चावला जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

राणा नायडू 2 के निर्देशन की कमान सुपर्ण वर्मा और करण अंशुमान ने संभाली है।

राणा नायडू का दूसरा सीज़न एक ज़रूर देखने वाली सीरीज़ बनने जा रहा है, इसकी मनोरंजक कहानी, जटिल किरदार और उच्च-दांव वाले ड्रामा के साथ। निर्माताओं ने और अधिक विश्वासघात, हिसाब-किताब और ड्रामा का वादा किया है, और प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, उम्मीदें बहुत अधिक हैं। 13 जून के लिए अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ, और राणा नायडू की दुनिया में वापस गोता लगाने के लिए तैयार हो जाएँ, सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या रात में केला खाना सेहत के लिए सही है? जानें सच्चाई

केला एक ऐसा फल है, जो हर मौसम में आसानी से मिल जाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रात में केला खाने से सेहत पर क्या असर पड़ता है?

कई लोग मानते हैं कि रात में केला खाने से सेहत को नुकसान होता है, जबकि कुछ लोग इसे सही मानते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं और इसके फायदे और नुकसान समझते हैं।

केला खाने के फायदे

रात में केला खाने के कई फायदे हो सकते हैं। केला पोटेशियम का अच्छा स्रोत होता है, जो मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है।

इसके अलावा इसमें मैग्नीशियम भी होता है, जो नींद को बेहतर बनाने में सहायक है।

केला विटामिन-बी6 से भी भरपूर होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन नामक हार्मोन को बढ़ाता है और नींद को बेहतर बनाता है। इसलिए रात में केला खाना फायदेमंद हो सकता है।

वजन बढ़ाने की चिंता

रात में केला खाने से वजन बढ़ने की चिंता करना जरूरी नहीं है।

अगर आप संतुलित आहार लेते हैं और नियमित एक्सरसाइज करते हैं तो रात में केला खाने से वजन नहीं बढ़ेगा। केला फाइबर से भरपूर होता है, जो पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है।

इसके अलावा इसमें प्राकृतिक मिठास होती है, जो ऊर्जा प्रदान करती है और वजन नहीं बढ़ाती।

पाचन तंत्र पर प्रभाव

कुछ लोग मानते हैं कि रात में केला खाने से पेट पर बुरा असर पड़ता है। हालांकि, यह सच नहीं है।

केला पाचन तंत्र को आराम देने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

इसमें मौजूद फाइबर पेट को भरा हुआ महसूस कराता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है। इसलिए रात में केला खाना पेट के लिए फायदेमंद हो सकता है।

नींद पर असर

रात में केला खाने से नींद पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। केला में एक खास तत्व होता है, जो सेरोटोनिन नामक हार्मोन को बढ़ाता है और नींद को बेहतर बनाता है।

इसके अलावा इसमें मैग्नीशियम भी होता है, जो मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है। इसलिए रात में केला खाना सोने से पहले फायदेमंद हो सकता है।

स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित

रात में केला खाना सेहत के लिए सुरक्षित माना जाता है। अगर आप संतुलित आहार लेते हैं और नियमित एक्सरसाइज करते हैं तो रात में केला खाने से कोई नुकसान नहीं होगा। इसके अलावा इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं और सेहत को बेहतर बनाते हैं। इसलिए रात में केला खाना फायदेमंद हो सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -63

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

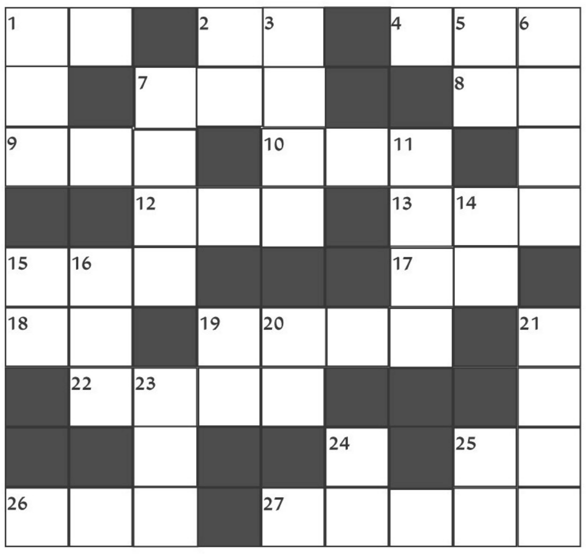

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

धोखे और साज़िशों का खेलज् प्राइम वीडियो ने लॉन्च किया द ट्रेटर्स का ट्रेलर

अगर आप धोखे, माइंड गेम्स और रोमांच से भरे रियलिटी शोज़ के फैन हैं, तो ये खबर आपके लिए है। बता दे कि प्राइम वीडियो ने अपनी नई रियलिटी सीरीज़ द ट्रेटर्स का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है, जो एक इंटरनेशनल हिट शो का भारतीय एडैप्टेशन है। इस शो को होस्ट कर रहे हैं बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता करण जौहर, और इसकी शुरुआत 12 जून को होने जा रही है। शो में हर गुरुवार रात 8 बजे एक नया एपिसोड स्ट्रीम होगा, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगा। द ट्रेटर्स में 20 लोकप्रिय सेलिब्रिटीज़ भाग ले रहे हैं, जो धोखे और साज़िशों के बीच अपना हुनर और समझदारी साबित करेंगे। इस सीज़न में अंशुला कपूर, आशीष विद्यार्थी, हर्ष गुर्जराल, जान्नत ज़ुबैर, उर्फी जावेद जैसे सितारे शामिल हैं, जो अपनी छुपी हुई चालों से दर्शकों को चौंकाते रहेंगे। इस शो की कहानी एक ऐतिहासिक महल, राजस्थान के रॉयल सूर्यगढ़ पैलेस, से शुरू होती है।

जहां इन 20 कंटेस्टेंट्स का एक ही मकसद होगा खिताब जीतना और बड़ा इनाम हासिल करना। शुरुआत में करण जौहर कुछ प्रतिभागियों को गुपचुप तरीके से गद्दार' चुनते हैं, और बाकी सभी को मासूम' माना जाता है। अब इन मासूमों को गद्दारों को पहचानने का एक मिशन दिया जाता है। अगर वो गद्दारों को सही समय पर न पहचान पाए, तो वे एक-एक करके खेल से बाहर हो सकते हैं। शो में खिलाड़ी अपनी समझदारी और चालाकी से दूसरों को मात देने की कोशिश करेंगे। गद्दारों का एकमात्र उद्देश्य है मासूमों को बाहर करना, और अगर मासूम गद्दारों को समय रहते पहचान लें, तो खेल पलट सकता है। ट्रेलर में जहां झगड़े और विवाद नजर आ रहे हैं, वहीं सीक्रेट प्लानिंग, चौंकाने वाले इल्ज़ाम और इमोशनल मोमेंट्स की झलक भी देखने को मिलती है। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ़ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने इस शो के बारे में कहा, हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। द ट्रेटर्स इस दिशा में एक कदम आगे है, जो भारतीय दर्शकों को एक बिल्कुल नए अनुभव से परिचित कराएगा। यह शो एक ऐसी अनप्रीडिक्टेबल दुनिया में ले जाएगा, जहां हर खिलाड़ी अपने दिमाग से खेलता है और हर कदम पर धोखा हो सकता है। करण जौहर ने शो के बारे में कहा, अगर आप ड्रामा, धोखा और साज़िश से भरे शो के फैन हैं, तो द ट्रेटर्स को मिस नहीं कर सकते। यहां न केवल खेल चलता है, बल्कि हर एक खिलाड़ी के बीच का झगड़ा और हंगामा भी बेहद दिलचस्प है। मैं हर प्लॉट और प्लान को बेहद करीब से देखता हूं, और इस शो में वह सब कुछ है, जो दर्शकों को बांधे रखेगा। 12 जून से द ट्रेटर्स का हर नया एपिसोड दर्शकों को अपने कसी हुई कहानी और ट्विस्ट्स से चौंकाने के लिए तैयार है। धोखे, साज़िश, और रहस्यों से भरा ये शो एक नई और रोमांचक यात्रा की शुरुआत करेगा। तो क्या आप तैयार हैं, क्योंकि अब शुरू होगा असली धोखे का खेल।

पुलिस कम्प्लेंट से वरलक्ष्मी सरथकुमार का फर्स्ट लुक सामने आया

दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी दमदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार अपनी आगामी फिल्म पुलिस शिकायत के साथ तेलुगु दर्शकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुपरस्टार कृष्णा के जन्मदिन के अवसर पर, फिल्म की टीम ने फिल्म से वरलक्ष्मी का पहला लुक जारी किया। इस फ़िल्म में, वरलक्ष्मी ने एक ऐसा किरदार निभाया है जो पहले कभी नहीं देखा गया है और जो पूरी कहानी में शक्ति और मनोरंजन का मिश्रण है। हॉरर-थ्रिलर पृष्ठभूमि पर बनी इस फ़िल्म में सुपरस्टार कृष्णा के लिए एक विशेष श्रद्धांजलि गीत है, जिसके बारे में निर्माताओं का मानना है कि यह फ़िल्म का एक प्रमुख आकर्षण होगा। पुलिस कंप्लेंट का निर्माण एमएसके प्रमिदासरी फिल्म्स और श्री विष्णु ग्लोबल मीडिया के बैनर तले सिंगापुर बालकृष्ण और मल्लेला प्रभाकर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। फिल्म का निर्देशन संजीव मेगोटी ने किया है, जो अघोरा (तेलुगु, तमिल), आपथा, पौरुषम, राघव रेड्डी और आदिपर्वम जैसी अनूठी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कलाकारों में नवीन चंद्रा, कृष्णासाई, रागिनी द्विवेदी, रविशंकर, आदित्य ओम, अमित, दिल रमेश, राजश्री नायर, सिंगापुर बालकृष्ण, दुग्गीरेड्डी वेंकट रेड्डी और श्रीहर्ष प्रमुख भूमिका में हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए निर्देशक संजीव मेगोटी ने कहा हमने सुपरस्टार कृष्णा के जन्मदिन पर वरलक्ष्मी सरथकुमार का पहला लुक जारी किया। यह फिल्म कर्म की चेन रिएक्शन की अवधारणा के इर्द-गिर्द घूमती है - यह विचार कि हर क्रिया का एक परिणाम होता है। हम इस अवधारणा को हॉरर-थ्रिलर प्रारूप में एक नए लेंस के माध्यम से प्रस्तुत कर रहे हैं। शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है।

निर्माता सिंगापुर बालाकृष्ण और मल्लेला प्रभाकर ने बताया वरालक्ष्मी सरथकुमार की भूमिका फिल्म का मुख्य आकर्षण होगी। सुपरस्टार कृष्णा को समर्पित विशेष गीत एक स्थायी छाप छोड़ेगा। हम इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बना रहे हैं, जिसमें दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव प्रदान करने के लिए एक्शन, हॉरर और रोमांचकारी तत्वों का मिश्रण किया गया है। फिल्म का शीर्षक पुलिस शिकायत के रूप में तय किया गया है और संजीव मेगोटी लेखन और निर्देशन दोनों को कुशलतापूर्वक संभाल रहे हैं। वरलक्ष्मी और नवीन चंद्रा के अलावा, इस फिल्म में शरत लोहिताश्व, पृथ्वी (एनिमल से), श्रीनिवास रेड्डी, सप्तगिरि, जेमिनी सुरेश, जबर्दस्त नवीन और बेबी तनस्वी (पोटेलु फेम) सहित कई उल्लेखनीय कलाकार शामिल हैं। वरिष्ठ कलाकार भी गंभीर और प्रभावशाली भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

साल 2025 का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है:साक्षी मडोलकर

तेज़ी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी। ये रोल्स ना सिर्फ उनकी एक्टिंग की रेंज दिखाएंगे, बल्कि ये भी साबित करेंगे कि साक्षी अब सिर्फ उभरती नहीं, खुद की सीमाएं तोड़ने वाली कलाकार बन चुकी हैं।

साक्षी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सबसे पहला है नोक नोक, कौन है , जो एक डर और रहस्य से भरी नई वेब सीरीज़ है। इसे सनशाइन प्रोडक्शंस ने बनाया है और ये जल्द ही अमेजन पर रिलीज़ होने वाली है। इस सीरीज़ में साक्षी सिम्मी नाम की एक लड़की का रोल निभा रही हैं, जो एक ऐसे खौफनाक जाल में फंस जाती है जहां एक ऐप, एक ख्वाहिश और एक खूनी की मौजूदगी सब कुछ उलट-पलट कर देती है। ये कहानी डर और सस्पेंस से भरी होगी, और साक्षी इसमें एक अलग ही रूप में नजर आएंगी।

साक्षी ने कहा, इस साल का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है और मैं इसका हर लम्हा एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा, सिम्मी का किरदार निभाना मेरे लिए एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उम्मीद नहीं थी, ये रोल इमोशनली बहुत गहरा था, दिमागी तौर पर तगड़ा और हर सीन ने मुझ पर अपनी छाप छोड़ी।इस प्रोजेक्ट को गंभीर और पेचीदा बताते हुए साक्षी ने इशारा किया कि नोक नोक, कौन है, कोई आम थ्रिलर नहीं है। यह ऐसी कहानी है जो रातों की नींद उड़ा दे और सिम्मी इस पूरे तूफान के बीचोंबीच है। लेकिन सस्पेंस यहीं खत्म नहीं होता। नोक नोक, कौन है के बाद साक्षी अब एकदम अलग माहौल और जॉनर में नजर आने वाली हैं अपने अगले प्रोजेक्ट मोगली में। पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले बन रही इस फिल्म में साक्षी निभा रही हैं जैस्मिन का किरदार, जो सीधा ले जाएगा दर्शकों को जंगली, अनछुए और खतरनाक जंगलों की दुनिया में।

एक तूफान खत्म होते ही मैं सीधा जंगल की ओर बढ़ रही हूं! साक्षी ने मुस्कुराते हुए कहा। जैस्मिन का किरदार मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है, इसमें कई परतें हैं और इसने मुझे खुद के एक नए रूप से मिलवाया है। एक तरफ जहां सिम्मी के रूप में मुझे एक कातिल से जूझना पड़ा, वहीं जैस्मिन के रूप में मुझे जंगली हालातों में खुद को जिंदा रखना है। ये दो बिलकुल अलग दुनियाएं हैं और मुझे मज़ा आ रहा है इन दोनों छोरों को जीने में।

एक पैर सस्पेंस से भरे साइकोलॉजिकल थ्रिलर में और दूसरा हाई-स्टेक्स सर्वाइवल ड्रामा में रखते हुए, साक्षी मडोलकर का ये साल बिल्कुल आम नहीं होने वाला। चाहे वो टेक्नोलॉजी से जुड़ी डरावनी दुनिया के रहस्यों में खो जाएं या फिर प्रकृति के बीच जंगली हालात से लड़ रही हों, वह ऐसी कहानियों में पूरी जान लगा रही हैं, जो इमोशनल और फिजिकल दोनों तरह की ताकत मांगती हैं। अगर साक्षी की ये परफॉर्मेंस वाकई उनकी बातों जैसी होंगी, तो दर्शकों के लिए एक ज़बरदस्त और यादगार सफर होने वाला है।

रसीली बनकर आ रही एक्ट्रेस दीक्षा धामी

टीवी शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन में चैना का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीक्षा धामी अब बिल्कुल अलग भूमिका में नजर आने वाली हैं। दरअसल, वह रसीली नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी, जो काफी बेबाक अंदाज की लड़की है।

दीक्षा धामी ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, रसीली, चैना से बिल्कुल अलग है। वह मजबूत, निडर और बेबाक लड़की है। जहां चैना शांत और सौम्य है, वहीं रसीली अपने मन की बात खुलकर कहती है और हर हालात को संभाल लेती है। उसका लुक भी बहुत दिलचस्प है। मेरे लिए एक कलाकार के तौर पर यह नया बदलाव है।

रसीली का किरदार निभाने के लिए एक्ट्रेस को यूपी का एक्सेंट सीखना पड़ा।

एक्ट्रेस ने कहा, यूपी का एक्सेंट सीखने के लिए मैंने कई वीडियोज देखे, स्थानीय लोगों को ध्यान से सुना, और सही बोली सीखने के लिए खूब प्रैक्टिस भी की। रसीली का किरदार निभाना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि यह मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर था। लेकिन इस मुश्किल काम को करते हुए मुझे हर पल बहुत मजा आया और मैंने इस चुनौती का पूरी तरह आनंद लिया।

शो में रसीली एक खास मकसद से आई है, वह अपने प्यार जयवीर को वापस पाना चाहती है और साथ ही चमकीली और तापस्या की धोखाधड़ी का पर्दाफाश करना चाहती है।

चैना जहां अपने दर्द को चुपचाप सहती रही, वहीं रसीली लड़ने के लिए तैयार रहती है। रसीली को जो सही लगता है, उसके लिए वह संघर्ष करने में हिचकिचाती नहीं है। शो में रसीली की मौजूदगी से छुपे हुए राज सामने आएंगे और रिश्तों में दरारें भी पैदा होंगी।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन शो शेमारू उमंग पर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।

इससे पहले दीक्षा 2024 में दंगल टीवी पर प्रसारित हुए टीवी शो मिल के भी हम ना मिले में नजर आई थीं।

भारत की चुप्पी उसकी कमजोरी नहीं, चेतना है

सोनम लववंशी

राष्ट्रवाद अब केवल झंडे में सिमटी भावना नहीं, वह स्मृति बन चुका है जो स्वतंत्रता संग्राम की मशाल भी थी और आज के दौर में आम जन के विवेक का हिस्सा भी है।

तुर्की और अजरबैजान द्वारा भारत के खिलाफ अंतराष्ट्रीय मंचों पर की गई टिप्पणियां केवल राजनीतिक मसले नहीं हैं, बल्कि यह उन राष्ट्रों के प्रति जनमानस की प्रतिक्रियाओं को भी जगा रही हैं, जो भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाते हैं। इन प्रतिक्रियाओं में उपभोक्ताओं के बायकॉट की आवाज़ें शामिल हैं, जो अचानक उभरी भावना नहीं, यह एक ऐसे राष्ट्रवादी विचार का संकेत हैं जो अब सरकारी नीतियों या सीमा पर लड़ाई तक सीमित नहीं रहा।

यह अब नागरिकों के निर्णयों में धड़कने लगा है। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रवाद की परिभाषा बदल चुकी है। यह अब नारे लगाने या साल में एक दिन झंडा फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर उस छोटे-बड़े निर्णय में समाहित हो चुका है, जिसमें व्यक्ति देश के मान और हित को निजी सुविधा से ऊपर रखता है। अब भारतीय उपभोक्ता ब्रांड से पहले यह देखने लगा है कि वह वस्तु किस देश से आई है और उस देश का भारत के प्रति रुख क्या है। यह राष्ट्रवाद का नया चेहरा है जो विचारशील, सजग और विवेकशील। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो साल 2024 में ही 3 लाख 30 हजार से ज्यादा भारतीयों ने तुर्की में छुट्टियां बिताई, जबकि अजरबैजान में घूमने वालों की संख्या 2 लाख 43 हजार से ऊपर रही। ये मात्र पर्यटक नहीं थे, बल्कि अरबों रु पये की पूंजी थी जो प्रत्यक्ष रूप से उन देशों की अर्थव्यवस्था को सहारा देती है, जो बार-बार भारत के कश्मीर जैसे संवेदनशील मसलों पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, एक भारतीय पर्यटक औसतन 1 लाख रु पये खर्च करता है यानी सिर्फ 2024 में ही भारतीयों ने तुर्की और अजरबैजान में करीब 4 हजार करोड़ रु पये खर्च किए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम उन देशों की तिजोरी भरें, जो हमारी संप्रभुता को चुनौती देते हैं?

क्या राष्ट्रवाद केवल जज्बा है, या फिर निर्णय लेने की दिशा भी? तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान द्वारा लगातार कश्मीर पर भारत विरोधी बयान और अजरबैजान द्वारा इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे मंचों पर पाकिस्तान का साथ देना, भले ही कूटनीति के दायरे में आता हो, पर जब इन बातों का असर आम नागरिक की चेतना पर पड़ता है, तब जवाब भी जमीनी होता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर बॉयकॉट तुर्किए और बॉयकॉट अजरबैजान जैसे ट्रेंड देशभर से समर्थन पा रहे हैं। यह बायकॉट कोई आवेश में लिया गया फैसला नहीं है। ये उस उपभोक्ता चेतना की अभिव्यक्ति है जो अब राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने लगी है। राष्ट्रवाद अब युद्ध और वीरता के साथ खड़ा होने तक सीमित नहीं। यह अब उस मोबाइल ऐप को हटाने में दिखता है जो देश विरोधी ताकतों से जुड़ा है, या उस विज्ञापन को अस्वीकार करने में जो भारत की संस्कृति का उपहास उड़ाता है। चीन के खिलाफ उठी आवाजें इसकी मिसाल थीं, अब तुर्की और अजरबैजान की बारी है।

यह राष्ट्रवाद प्रतिक्रिया नहीं है एक परिपक्व चेतना है जो अब देश के स्वाभिमान को बाजार में भी उतना ही मूल्य देती है जितना सरहद पर। भारत का राष्ट्रवाद कभी भी संकीर्णता की मानसिकता पर नहीं टिका रहा। यह वह विचारधारा है जो विविधता में एकता ढूंढती है, जो सैनिक के बलिदान पर गर्व करती है तो संविधान के मूल्यों की रक्षा भी उतनी ही दृढ़ता से करती है। परिपक्व राष्ट्रवाद दूसरों को गिराने के लिए नहीं, स्वयं को उठाने के लिए होता है। और जब देश का नागरिक अपने छोटे-छोटे निर्णयों में इस चेतना को शामिल करता है, तो वही आत्मनिर्भर भारत की असली नींव बनती है। बॉयकॉट जैसे कदमों के आर्थिक असर सीमित हो सकते हैं, लेकिन इनके मनोवैज्ञानिक प्रभाव गहरे होते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि भारत अब केवल एक बाजार नहीं, एक जीवित, सोचने-समझने वाला लोकतंत्र है। जब आम लोग विदेशी कंपनियों या देशों के प्रति अपनी नीतियां पुनर्विचार के लिए बाध्य करते हैं, तो यह बाजार की दिशा बदलने वाली ताकत बनती है। यह भावना सरकार को संकेत ही नहीं देती, उद्यमियों को भी प्रेरित करती है कि मेड इन इंडिया' अब केवल एक लेबल नहीं, गर्व का प्रतीक है।

यदि यह भावना विवेक के बजाय उन्माद में बदल जाए, तो वह समाज में विभाजन और असहिष्णुता को जन्म दे सकती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते केवल हित होते हैं। इसीलिए राष्ट्रवाद के साथ विवेक का होना भी उतना ही जरूरी है जितना साहस का। जब भारत का नागरिक भावनाओं के साथ तार्किकता को जोड़ता है, तब ही वह वैश्विक मंच पर भारत की एक सम्मानित और सशक्त पहचान गढ़ता है। इसलिए तुर्की और अजरबैजान जैसे प्रसंग केवल द्विपक्षीय संबंधों की कड़वाहट नहीं हैं, ये याद दिलाने वाले अवसर हैं कि आज का भारतीय न केवल सजग नागरिक है, बल्कि विवेकशील राष्ट्रवादी भी है। यह राष्ट्रवाद अब इतिहास की धरोहर नहीं, वर्तमान की जीवंत शक्ति है जो निर्णयों को दिशा देती है, बाजार को नैतिकता से जोड़ती है और दुनिया को यह बताती है कि भारत की चुप्पी उसकी कमजोरी नहीं, चेतना है।

प्यार, जुनून और दर्द...,सैयारा का रोमांटिक टीजर रिलीज

अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे मोहित सूरी की प्रेम कहानी सैयारा से अनीत पड्डा के साथ शानदार शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीजर जारी किया है। सैयारा मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर जारी किया और कैप्शन में लिखा, कुछ प्रेम कहानियां हमेशा के लिए बनी रहती हैं। सैयारा 18 जुलाई को सिनेमा में आ रही है।

अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत इस फिल्म को मोहित सूरी ने निर्देशित किया है और इस साल 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सैयारा रोमांटिक फिल्म है, जिसमें प्यार, दर्द, जुनून और हार्टब्रेक जैसे सीन देखने को मिलेंगे। अगर आपने आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की आशिकी 2 देखी है, तो आपको सैयारा में इसकी बाइब्स मिलेगी।

सैयारा टीजर की बात करें तो टीजर में एक दमदार लव स्टोरी की झलक दिखाई गई है, जिसमें अहान एक रॉकस्टार की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी मुलाकात एक लड़की से होती है और दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। हालांकि, उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ आता है और कई इमोशनल सीन सामने आती हैं।

सैयारा का टीजर फैंस को काफी पसंद आया है। दंगल एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में फायर वाले इमोजी छोड़े हैं। वहीं, एक यूजर ने लिखा है, लंबे समय के बाद उत्साहित हूं। मोहित सूरी हमेशा खूबसूरत फिल्में देते हैं। एक ने लिखा है, भाई बधाई हो टीजर कड़क लग रहा है। कई फैंस ने अहान को उनकी पहली फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं।

यशराज फिल्म्स की निर्मित और मोहित सूरी निर्देशित सैयार के एलान के बाद से ही इसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि इसमें वाईआरएफ और मोहित एक साथ नजर आएंगे, जो दोनों ही टाइमलेस लव स्टोरी बनाने के लिए जाने जाते हैं।

सैयारा में अहान पांडे मशहूर पांडे परिवार के स्टार बेटे का भूमिका निभा रहे हैं। टीजर में वह दमदार और अट्रैक्टिव लुक में नजर आ रहे हैं। उनके विपरीत, बिग गर्ल्स डोंट क्राई की ब्रेकआउट स्टार अनीत पड्डा मुख्य भूमिका में लाइमलाइट में हैं। सैयारा 18 जुलाई, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सू- दोकू क्र.63

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

तीन साल वकालत अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट ने भावी न्यायाधीशों के लिए अदालती अनुभव होने की बात एक फिर से दोहराई है। पीठ ने प्रधान न्यायाधीश के फैसले को सुनाते हुए कहा कि विधि स्नातकों की नियुक्ति से कठिनाइयां आई हैं, जैसा कि कई उच्च न्यायालयों ने कहा है।

अदालत ने स्पष्ट किया, बैचलर ऑफ लॉ करते ही न्यायिक सेवा परीक्षा यानी ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम में शामिल नहीं हो सकते। प्रवेश स्तर पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए कम-से-कम तीन साल वकालत करना अनिवार्य होगा। यह फैसला अखिल भारतीय जस्टिस संघ द्वारा दायर याचिका पर आया। बता रहे हैं कि न्यायाधीशों के लिए लॉ क्लर्क के तौर पर किए गए अनुभव को भी जोड़ा जा सकता है।

हालांकि जज के तौर पर चुनाव होने के बाद अदालत में सुनवाई के पूर्व उन्हें साल भर का प्रशिक्षण भी लेना अनिवार्य है। यह नियम वहां नहीं लागू होगा जहां हाई कोटरे द्वारा पहले ही सिविल जज जूनियर डिवीजन की नियुक्ति की प्रक्रिया चालू की जा चुकी है।

तकरीबन बीस साल पहले यानी 2002 में सबसे बड़ी अदालत ने ही एलएलबी ग्रेजुएट को सीधे न्यायिक अधिकारी परीक्षा देने की व्यवस्था दी थी। जाहिर है, सकारात्मक परिणामों के अभाव में अदालत को यह फैसला पलटना पड़ा क्योंकि बगैर अनुभव या अभ्यास के जमीनी हकीकत को समझना नामुमकिन है। न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा व गंभीरता के मद्देनजर यह निर्णय उचित है।

व्यावहारिक व प्रशासनिक दिक्कतों से समय रहते सबक लिया जाना ही समझदारी है। न्याय की कुर्सी पर बैठने वाले से उम्मीद की जाती है कि उसके निर्णय निष्पक्ष व निर्विवाद हों। प्रशिक्षण व अनुभवों से मिलने वाली सीख ताउम्र काम आती है। पिछले दिनों विभिन्न अदालतों से आए फैसलों पर उपजे विवाद के बाद शीर्ष अदालत को स्वयं संज्ञान लेना पड़ा। चूंकि शीर्ष अदालत पर पहले ही काम का बेहद दबाव है।

ऐसे में वह हर फैसले पर न तो कड़ी नजर रख सकती है, न ही हर विवादास्पद फैसले को पलटना ही उचित ठहराया जा सकता है। सीधी भर्ती पर भाई-भतीजावाद की तोहमत भी नहीं लग सकती। तीन वर्ष यूं भी ज्यादा नहीं हैं। विभिन्न अन्य महत्त्वपूर्ण पदों पर चयन होने के उपरांत भी कड़ी ट्रेनिंग की व्यवस्था है। दूसरे, जज को वकीलों की सीमाओं, समस्याओं व उनके काम करने के तरीकों को बारीकी से समझने का मौका भी प्राप्त होगा।(आरएनएस)

डॉ. वंदना खंडूड़ी की नवीनतम साहित्यिक कृति *मंथन* का लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून। साहित्यकार डॉ. वंदना खण्डूड़ी की नवीनतम पुस्तक "मंथन" का भव्य लोकार्पण आज उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।आज यहां श्री गुरु नानक पब्लिक बालक इंटर कॉलेज, देहरादून में प्रवक्ता (जीव विज्ञान) पद पर कार्यरत साहित्यकार डॉ. वंदना खण्डूड़ी की नवीनतम पुस्तक 'मंथन' का भव्य लोकार्पण उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। "मंथन" एक बहुआयामी साहित्यिक कृति है, जिसमें लेख, आलेख एवं लघुकथाओं के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं, पौराणिक आख्यानों और जीवन-दर्शन को एक नवीन दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। विशेष रूप से सती सावित्री व्रत कथा का पुनर्पाठ, कल्कि अवतार, श्रीकृष्ण के श्रीनारायण स्वरूप तथा श्रीराधा की करुणामयी छवि जैसे प्रसंगों को डॉ. वंदना ने अद्भुत संवेदनशीलता और गहन साहित्यिक सौंदर्य के साथ शब्दबद्ध किया है। विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने "मंथन" को एक वैचारिक यात्रा की संज्ञा देते हुए कहा कि डॉ. वंदना की लेखनी समाज, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को एक नई दृष्टि प्रदान करती है। 'मंथन' केवल पठन का विषय नहीं, बल्कि मनन का निमंत्रण है। ऐसे साहित्यिक प्रयास समाज में विचार और संवाद को प्रोत्साहित करते हैं। डॉ. वंदना खण्डूड़ी इससे पूर्व भी साहित्य जगत में अपनी विशेष पहचान बना चुकी हैं। उनकी प्रकाशित काव्यकृतियाँ "दिल के एहसास", "काव्य-स्पर्श" और "अनुभूति ख्र भावों की अनुभूति" पाठकों और समीक्षकों के बीच सराही गई हैं। साथ ही, उनकी रचनाएँ विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होती रही हैं। उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए उन्हें उत्तराखंड शिक्षक सम्मान (विश्व हिंदी रचनाकार मंच), राष्ट्रीय गौरव सम्मान, अटल हिंदी रत्न सम्मान, महादेवी वर्मा सम्मान, नीरज सम्मान, तथा अमृता प्रीतम मेमोरियल अवार्ड सहित अनेक राष्ट्रीय स्तर के सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे रोड ऋषिकेश निवासी सतेन्द्र ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा मयंक अपनी एक्टिवा से घर की तरफ आ रहा था जब वह तीन पानी पुलिया के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जहां से उसको एम्स में भर्ती कराया गया। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मेड ने आयोजित की 'मैडथॉन'

देहरादून (कासं)। देहरादून के शिक्षित छात्रों के समाजसेवी संगठन, मेकिंग अ डिफरेंस बाय बीइंग द डिफरेंस (मेड) ने अपनी स्थापना के 14 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विगत दिवस एक भव्य मैडथॉन दौड़ का आयोजन किया। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य देहरादून की सिकुड़ती और सिमटती जल धाराओं के पुनर्जीवन हेतु एक विशाल जन अभियान का सूत्रपात करना और सरकार से इस विषय पर उचित नीति-नियोजन करने का आह्वान करना था। इस दौड़ में प्रतिभाग करने के लिए लगभग 5000 युवा देहरादून के परेड ग्राउंड में एकत्र हुए। दौड़ में बच्चों के अलावा कई वरिष्ठ नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैराथन दौड़ में पुरुषों में सबल कंडारी, कलम सिंह बिष्ट, लक्ष्मण लामा और नितिन भंडारी विजेता रहे। महिलाओं में मीणा कंधारी, कांति और अलकाने जीत हासिल की।

शहरी वृक्षों की सुरक्षा के लिए..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

किया है। जब इन अपीलों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो हमने अपने स्वयं के कंक्रीट हटाने के अभियान शुरू किए और खतरे में पड़े पेड़ों का सर्वेक्षण और पहचान करने के लिए वन अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं के साथ साझेदारी का प्रस्ताव रखा। अफसोस की बात है कि इन सुझावों को नजरअंदाज कर दिया गया। पेड़ों को खतरनाक के रूप में लेबल करना और अंधाधुंध कटाई शुरू करना एक आम बात है। यह दृष्टिकोण मूल कारणों को संबोधित करने में विफल रहता है। सीएफजीडी ने अधिकारियों से भारत सरकार के दिशा-निर्देशों को लागू करके, पेशेवर वृक्ष स्वास्थ्य आकलन करके और शहरी नियोजन में वृक्ष संरक्षण को एकीकृत करके पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। केवल सक्रिय उपायों के माध्यम से ही हम अपने शहरी छत्र को संरक्षित कर सकते हैं और सभी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. रवि चोपड़ा, हिमांशु अरोड़ा, संजीव श्री विजय भट्ट और इरा चौहान ने वक्ताओं के रूप में भाग लिया।

लोक साहित्य को डिजिटल स्वरूप में किया जाएगा संरक्षित:धामी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड की बोलियों, लोक कथाओं, लोकगीतों एवं साहित्य के डिजलिटीकरण की दिशा में कार्य किये जाएं। इसके लिए ई-लाइब्रेरी बनाई जाए। लोक कथाओं पर आधारित संकलन बढ़ाने के साथ ही इन पर ऑडियो विजुअल भी बनाये जाएं। स्कूलों में सप्ताह में एक बार स्थानीय बोली भाषा पर भाषण, निबंध एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए। उत्तराखण्ड भाषा एवं साहित्य का बड़े स्तर पर महोत्सव किया जाए, इसमें देशभर से साहित्यकारों को बुलाया जाए। उत्तराखण्ड की बोलियों का एक भाषाई मानचित्र बनाया जाए।

यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तराखण्ड भाषा संस्थान की साधारण सभा एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति बैठक के अध्यक्षता करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि भेंट स्वरूप बुके के बदले बुक के प्रचलन का राज्य में बढ़ावा दिया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि उत्तराखण्ड साहित्य गौरव सम्मान की राशि 5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख 51 हजार की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान भी दिया जायेगा, जिसकी सम्मान राशि 5 लाख रूपये होगी। राजभाषा हिन्दी के प्रति युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए युवा कलमकार प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसमें दो आयु वर्ग में 18 से 24 और 25 से 35 के युवा रचनाकारों को शामिल किया जायेगा। राज्य के दूरस्थ स्थानों तक सचल पुस्तकालयों की व्यवस्था कराने के साथ ही पाठकों के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें एवं साहित्य उपलब्ध कराने के लिए बड़े प्रकाशकों का सहयोग लेने पर सहमति बनी। भाषा संस्थान लोक भाषाओं के प्रति बच्चों की रूचि बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे वीडियो तैयार कर स्थानीय बोलियों का बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि जौनसार बावर क्षेत्र में पौराणिक काल से प्रचलित पंडवाणी गायन 'बाकणा' को संरक्षित करने के लिए इसका अभिलेखीकरण किया जायेगा। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा प्रख्यात नाट्यकार 'गोविन्द बल्लभ पंत' का समग्र साहित्य संकलन, उत्तराखण्ड के साहित्यकारों का 50 से 100 वर्ष पूर्व भारत की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्य का संकलन और उत्तराखण्ड की उच्च हिमालयी एवं जनजातीय भाषाओं के संरक्षण एव अध्ययन के लिए शोध परियोजनों का संचालन किया जायेगा। राज्य में प्रकृति के बीच साहित्य सृजन, साहित्यकारों के मध्य गोष्ठी, चर्चा-परिचर्चा के लिए 02 साहित्य ग्राम बनाये जायेंगे।

भाषा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि पिछले तीन सालों में उत्तराखण्ड में भाषा संस्थान द्वारा अनेक नई पहल की गई है। भाषाओं के संरक्षण और संवर्द्धन के साथ ही स्थानीय बोलियों को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। भाषा की दिशा में लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक पुरस्कार दिये जा रहे हैं।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव वी.षणमुगम, श्रीधर बाबू अदांकी, निदेशक भाषा श्रीमती स्वाति भदौरिया, अपर सचिव मनुज गोयल, कुलपति दून विश्वविद्यालय डॉ. सुरेखा डंगवाल, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

साढ़े पांच लाख की ठगी करने वाला मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। निवेश करने के नाम पर साढ़े पांच लाख रूपये की ठगी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना कीर्तिनगर पर साइबर धोखाधड़ी के संबंध में सौरभ कुमार पुत्र कुशाला नन्द बड़ोनी, निवासी ग्राम बरसौली, थाना कीर्तिनगर द्वारा तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उन्हें स्टॉक मार्केट में निवेश कर दो से तीन गुना मुनाफा दिलाने का लालच देकर कुल सांढ़े पांच लाख रूपये की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करवा ली गई थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि उक्त धनराशि में से 50 हजार रूपये पीड़ित के खातों से आरोपी अर्पित जैन पुत्र विनोद जैन निवासी 203, राजलक्ष्मी टावर, थाना द्वारिकापुरी, इंदौर (म.प्र.) के नाम पंजीकृत यूको बैंक, में ट्रांसफर की गई थी, जो "वैष्णवी ट्रेडिंग कम्पनी" के नाम से संचालित है। प्राप्त तकनीकी एवं बैंकिंग साक्ष्यों के आधार पर साईबर पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए बीते रोज आरोपी को मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित थाना द्वारिकापुरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया।

90 करोड़ के भ्रष्टाचार की निगम तत्काल रिकवरी करे: थापर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि नगर निगम के मौहल्ला समिति में 90 करोड के भ्रष्टाचार की निगम तत्काल रिकवरी करे।

आज देहरादून के नगर निगम कार्यालय में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर के साथ कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने नवनिर्वाचित मेयर सौरभ थपलियाल व मुख्य नगर अधिकारी नमामि बंसल से भेंट कर मोहल्ला समिति में हुए फर्जीवाड़े पर दोषियों पर कानूनी कार्यवाही व करोड़ों की लूट की रिकवरी हेतु ज्ञापन प्रेषित किया। कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने देहरादून नगर निगम के भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियान में मोहल्ला समिति का भ्रष्टाचार प्रमुखता से उठाया था। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि हमने पत्राचार के माध्यम से 2019 से 2024 तक मोहल्ला समिति में भारी अनियमितता व भ्रष्टाचार का खुलासा किया, जिस पर निगम को जाँच बैठानी पड़ी। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मेयर सौरभ थपलियाल के इस विषय पर 17 फरवरी 2025 को तथ्यों सहित शिकायती पत्र दिया था, जिसपर जांच उपरान्त नगर निगम ने मुकदमे हेतु पुलिस को 06 जून 2025 को पत्र जारी कर दिया। जाँच में 99 कर्मचारियों को फर्जी पाया गया और 90 करोड़ का सरकारी धन का भ्रष्टाचार हुआ किन्तु अभी तक न जाँच रिपोर्ट सार्वजनिक करी गयी है और न ही कोई रिकवरी हुई है। यह निगम में न सिर्फ सरकारी धन की लूट हुई बल्कि चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के हक पर डाका डालने का काम किया गया। हमने मेयर से अनुरोध किया है कि पुलिस की कार्यवाही भले ही गतिमान हो किंतु दोषियों सरकारी धन की उनसे ब्याज सहित रिकवरी करने कार्य निगम नियम का है, जिसको तत्काल किया जाना चाहिए, अन्यथा हम सड़क से लेकर न्यायालय तक इस भ्रष्टाचार के विषय पर संघर्ष करेंगे। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि इस विषय पर हमने कांग्रेस की शिकायत पर जांच करवाई और दोषियों के खिलाफ पुलिस को एफआईआर हेतु निगम ने आदेश दे दिया है और अब रिकवरी के विषय पर पुन: जाँच उपरांत नियमानुसार कार्यवाही करेंगे।

बेवफा सोनम:पति की कराई हत्या

तीन हत्यारों के साथ गिरफ्तार, एक हत्यारा फरार

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। हनीमून मनाने के लिए निकले एक जोड़े की पत्नी ने ही भाड़े के हत्यारो से पति की हत्या करा दी। मामले में पुलिस ने पत्नी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मेघालय के डीजीपी आई नोंग्रांग ने आज सुबह बताया कि सोनम रघुवंशी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि, एडीजी कानून व्यवस्था, उत्तर प्रदेश अमिताभ यश ने बताया कि सोनम (उम्र करीब 24 साल) वाराणसी-गाजीपुर मुख्य मार्ग पर काशी ढाबा पर मिली। उसे शुरुआती इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया और फिर गाजीपुर के वन स्टॉप सेंटर में रखा गया।

बताया जा रहा है कि मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि राजा की हत्या कराने में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी का हाथ था। उसने ही भाड़े के हत्यारे बुलाए थे। डीजीपी नोंगरांग ने मामले का खुलासा

करते हुए बताया कि हत्या के सिलसिले में पत्नी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मध्य प्रदेश के रहने वाले तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है। एक अन्य हमलावर को पकड़ने के लिए अभियान अभी भी जारी है।

इससे पहले डीजीपी आई नोंग्रांग ने आज सुबह बताया कि इंदौर के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या कथित तौर पर मेघालय में हनीमून के दौरान उनकी पत्नी की ओर किराए पर बुलाए गए लोगों ने की। बताया कि पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि तीन अन्य हमलावरों को रात भर की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश से पकड़ा गया, जबकि दो अन्य आरोपियों को एसआईटी ने इंदौर से पकड़ा। उन्होंने कहा कि सोनम ने उत्तर प्रदेश के नंदगंज पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण किया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। नोंग्रांग ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने खुलासा किया है कि पत्नी ने रघुवंशी की हत्या के लिए उन्हें किराए पर लिया था।

अपराध में शामिल कुछ और लोगों को पकड़ने के लिए मध्य प्रदेश में अभियान अभी भी जारी है। इससे पहले मध्य प्रदेश के इंदौर से हनीमून मनाने के लिए मेघालय पहुंचे एक जोड़े के लापता होने का मामला काफी दिनों से चर्चा में था। 23 मई को जब यह जोड़ा लापता हुआ, तब माना जा रहा था कि मेघालय के सोहरा क्षेत्र में घने जंगलों और कम आबादी की वजह से पति-पत्नी की खोज-खबर नहीं मिल पा रही है। इसके बाद मामला उलझता चला गया। लापता युवक का शव दो जून को 150 फीट गहरी खाई में मिला था।

इंदौर के इस जोड़े के लापता होने का केस राजा का शव मिलने के बाद और उलझ गया था। दरअसल, भारी बारिश के बीच मेघालय पुलिस ने ड्रोन्स के जरिए राजा का शव ढूंढा। उनका शव बुरी तरह सड़ चुका था और चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। परिजनों ने एक टैटू के जरिए शव की पहचान की। हालांकि, राजा के शव के आसपास खोजबीन पर भी सोनम का कुछ पता नहीं चला। इतना ही नहीं राजा का शव वोइसाडोंग नाम की जगह पर मिला। इस खोज अभियान में एसडीआरएफ, स्पेशन ऑपरेशन टीम और एक माउंटेनियरिंग क्लब भी शामिल था। वोइसाडोंग में जहां शव मिला, वह जगह राजा-सोनम की तरफ से किराए पर ली गई स्कूटी की लोकेशन से 25 किलोमीटर की दूरी पर है। यह फासला मामले में और शक बढ़ाने वाला बना। राजा के शव के पास से न उनका मोबाइल मिला, न पर्स, और न ही राजा की पहनी सोने की चेन और अंगूठी। सिर्फ उसकी स्मार्टवॉच ही कलाई पर बंधी मिली थी। ठ पर्यटक गाइड के खुलासे की बात सच होती नजर आ रही थी।

मुंबईः लोकल ट्रेन से गिरे 8 लोग, 5 की मौत

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। मुंबई में लोकल ट्रेन में आज सुबह बड़ा हादसा हुआ। जहां ट्रेन से गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मुंबई के दीवा और मुंब्रा स्टेशन के बीच हुआ है। यहां भीड़भाड़ की वजह से लोकल ट्रेन से गिरने के कारण पांच यात्रियों की मौत हो गई। हादसे के वक्त ट्रेन बेहद भरी हुई थी और कई यात्री दरवाजों पर लटककर सफर कर रहे थे। सेंट्रल रेले के प्रवक्ता स्वप्निल नीला ने जानकारी दी है कि ये लोग लोकल ट्रेन में दरवाजे पर लटकर यात्रा कर रहे थे। हादसे में 8 लोग शामिल थे। सेंट्रल रेले के प्रवक्ता स्वप्निल नीला ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह 9:30 बजे हुई और 9:50 बजे तक एंबुलेंस आ गई थी। उन्हें इलाज के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा में भर्ती कराया गया। हादसा मुंब्रा और दीवा स्टेशन के बीच में हुआ। सेंट्रल रेले के प्रवक्ता स्वप्निल नीला ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह 9:30 बजे हुई और 9:50 बजे तक एंबुलेंस आ गई थी। उन्हें इलाज के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा में भर्ती कराया गया। हादसा मुंब्रा और दीवा स्टेशन के बीच में हुआ।

ठाणे मुनिसिपल कॉरपोरेशन ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया, आज सुबह लगभग 09:20 बजे कसारा से सीएसएमटी (08:19) जा रही एक फास्ट लोकल ट्रेन से करीब 10 यात्री मुंब्रा रेलवे स्टेशन के पास गिर गए। रेलवे प्रशासन द्वारा हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

एक यात्री ने बताया कि पुष्पक एक्सप्रेस बगल वाले ट्रैक पर थी। दोनों ट्रेनों के बीच लोग बैग से टकराने के बाद गिर गए। कुल 8 लोग ट्रैक पर गिरे थे, जिनमें से पांच की मौत हो गई है।

शराब पीकर गुंडागर्दी करने वाला गिरफ्तार

हमारे सवांददाता

देहरादून। शराब पीकर सरेराह गुंडागर्दी करने वाले शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना मसूरी पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति माल रोड कुलड़ी चिक चॉकलेट के पास नशे की हालत में सारेराह हुड़दंग कर आमजन को परेशान कर रहा है। उक्त घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए हुड़दंग कर रहे युवक बलवीर पुत्र फते सिंह, निवासी रंडोली चमोली हाल निवासी कंट्री इन होटल, कैमल बैक रोड को माल रोड कुलड़ी चिक चॉकलेट से गिरफ्तार कर युवक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की गई, साथ ही युवक का सत्यापन न कराने पर युवक के मकान मालिक के विरूद्ध भी 83 पुलिस अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी।

सुकमा में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, एएसपी शहीद

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक आईईडी विस्फोट में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शहीद हो गए और कई अन्य कर्मी घायल हो गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कोंटा डिवीजन) आकाश राव गिरीपुंजे को गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिसके बाद वे शहीद हो गए। घायलों को कोंटा अस्पताल ले जाया गया है, यह घटना नक्सलियों द्वारा बुलाए गए बंद के मद्देनजर की गई गश्त के दौरान हुई।

ब्लास्ट की यह घटना सुबह 9 से 10 बजे के बीच की बताई जा रही है। एएसपी आकाश राव गिरीपुंजे

सीपीआईएम (माले)द्वारा 10 जून को भारत बंद के आह्वान के मद्देनजर किसी भी तरह की नक्सली घटना को रोकने के लिए क्षेत्र में पैदल गश्त पर थे।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शामरा ने इस घटना को लेकर कहा कि एएसपी सुकमा, आकाश राव गिरिपंजे ने कोंटा-एर्राबोरा रोड पर डोंड्रा के पास एक आईईडी विस्फोट के कारण घायल होने के बाद अपने प्राणों की आहुति दे दी। वह एक बहादुर जवान थे और उन्हें कई वीरता पुरस्कार दिए गए थे। यह हमारे लिए एक दुखद क्षण है। तलाशी और अभियान शुरू कर दिया गया है।

नक्सलियों की तरफ से सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर किए जा रहे इस प्रकार के हमले राज्य में नक्सल विरोधी अभियान के लिए चुनौतियां बनी हुई है। हालांकि सुरक्षाबलों को मिल रही लगातार संगठन से नक्सलियों की बौखलाहट साफ नजर आ रही है। मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे को लेकर नक्सलियों द्वारा लगाई गई आईडी ही अब एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।